

## ② सकर्मक क्रिया-

जब किसी वाक्य में क्रिया के साथ कर्म प्रयुक्त हो अर्थात् जब वाक्य में प्रयुक्त क्रिया का फल कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़े, सकर्मक क्रिया कहलाती है-

जैसे- मोहित पुस्तक पढ़ता है। रमेश गाना गाता है।  
 वह पत्र लिखता है। बच्चे खाना खाते हैं।  
 कृष्ण बाँसुरी बजाता है। राधा गाना गाती है।

## अकर्मक और सकर्मक क्रिया की पहचान:-

अकर्मक और सकर्मक क्रिया की पहचान के लिए वाक्य में प्रयुक्त क्रिया से 'क्या' के द्वारा प्रश्न किया जाता है, यदि क्या का उत्तर मिले, लेकिन कर्ता को छोड़कर मिले तो क्रिया सकर्मक होती है, कर्ता की पहचान के लिए वाक्य में प्रयुक्त क्रिया से 'कौन' के द्वारा प्रश्न किया जाता है, यदि 'कौन' का उत्तर मिले

तो वह कर्ता होता है, और यदि 'म्या' और 'कौन' दोनों का उत्तर एक ही मिले तो क्रिया अकर्मक होती है-

जैसे- किसान हल से खेत जोतता है।  
 मजदूर नल से पानी भरता है।  
 विकास लाठी से साँप को मारता है।



सकर्मक क्रिया के दो भेद होते हैं:-

(i) एककर्मक क्रिया-

जब किसी वाक्य में क्रिया के साथ एक कर्म प्रयुक्त हो, अर्थात् कर्ता और क्रिया एक कर्म के साथ प्रयुक्त होकर पूरे अर्थ का बोध कराएँ, एककर्मक क्रिया कहलाती है-

जैसे- विजय फुटबॉल खेलता है। सीमा दाना डालती है।  
 देवकी खाना पकाती है। देव प्रेम से खाना खाता है।

(ii) द्विकर्मक क्रिया / बहुकर्मक क्रिया -

जब किसी वाक्य में

क्रिया के साथ दो या दो से अधिक कर्म प्रयुक्त हो तो वह,  
द्विकर्मक / बहुकर्मक क्रिया कहलाती है -

जैसे - देवकी पक्षियों को दाना डालती है।

अध्यापक छात्रों को हिन्दी पढ़ाता है।

पिता पुत्र को शिक्षा देता है। माता पुत्री को ज्ञान देती है।

**विशेष-** द्विकर्मक क्रिया की पहचान के लिए वाक्य में प्रयुक्त क्रिया से 'क्या और किसको' दोनों के द्वारा प्रश्न किया जाता है, यदि दोनों का उत्तर अलग-अलग मिले तो क्रिया द्विकर्मक/बहुकर्मक होती है।



**विशेष-** यदि किसी वाम्य में 'देने' का बोध हो रहा हो, और 'दान' दिया जा रहा है, तो वहाँ 'म्या और किसको' दोनों का उत्तर अलग-अलग मिलने पर भी एक कर्मिक क्रिया होती है तथा पहले प्रयुक्त होने वाला कर्म न होकर सम्प्रदान कारक होता है-

**जैसे-** रमेश बिखारी को कपड़े देता है। रमेश धोबी को कपड़े देता है।

↓ सम्प्रदान
↓ कर्म
↑ द्विकर्मिक
↓ कर्म
↓ कर्म

राजा ब्राह्मण को गाय देता है । → एककर्मिक क्रिया

↓                      ↓  
सम्प्रदानकारक    कर्मकारक

मोहन सोहन को पाँच सौ रुपये देता है । → एककर्मिक ॥

↓                      ↓  
सम्प्रदानकारक    कर्मकारक

मोहन सोहन को पाँच सौ रुपये उधार देता है । → द्विकर्मिक ॥

↓                      ↓  
कर्मकारक        कर्मकारक

भाई बहन को पाँच सौ रुपये देता है । → द्विकर्मिक ॥

↓                      ↓  
कर्मकारक        कर्मकारक